अ से अनार हमने खाया,
आ से आम रसीला आया।
इ से इमली खट्टी बड़ी,
ई से ईख सीधी खड़ी।

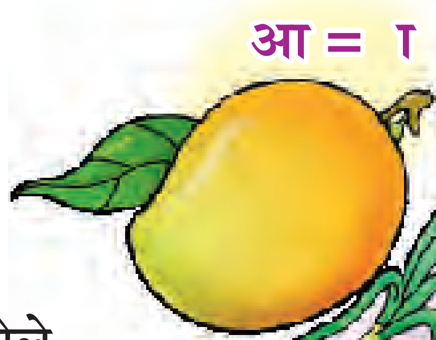

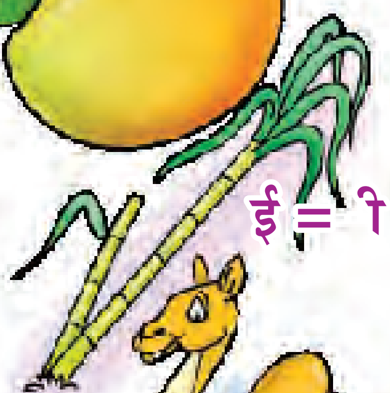

उ से उल्लू रात में बोले,
ऊ से ऊँट चले मन डोले।
ऋ से ऋषि बड़े महान,
देते हमको सच्चा ज्ञान।

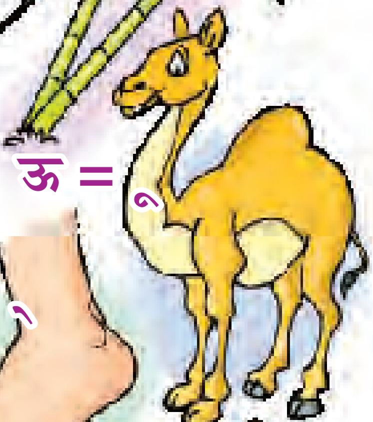

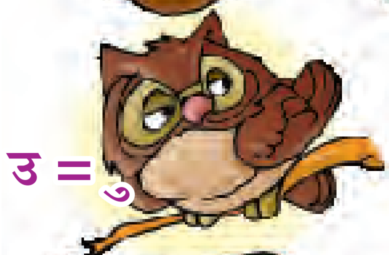

ए से एड़ी चले-चलाए,
ऐ से ऐनक साफ़ दिखाए।
ओ से ओखली कूटो-पीसो,
औ से औरत से कुछ सीखो।

अं से अंगूर खट्टे-मीठे,
ले-लो बच्चो सारे गुच्छे।
अः तो बच्चो होता खाली,
चलो बजाएँ मिलकर ताली।

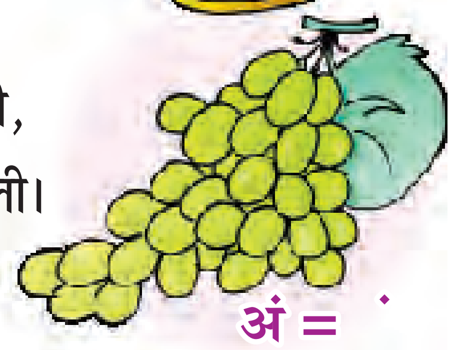

शिक्षण-संकेत

- उपर्युक्त कविता को बच्चों को याद कराएँ और स्वरों की मात्राओं की पहचान कराएँ।
- बच्चों को समझाएँ कि 'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती। यह सभी व्यंजन वर्णों में पहले से ही विद्यमान रहता है। इसे जब किसी व्यंजन वर्ण से अलग किया जाता है, तो उस व्यंजन के नीचे 'हलंत' (्) लगा देते हैं; जैसे—
  क् + अ = क घ् + अ = घ ट् + अ = ट।

आ की मात्रा (आ = ा)

देखिए, समझिए और पढ़िए :

म + ा + ल + ा

माला

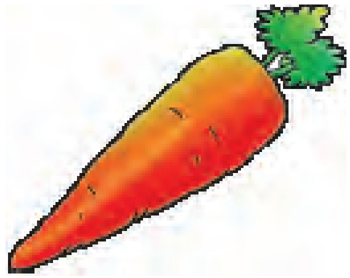

ग ा + ज + र

गाजर

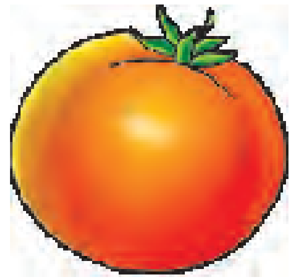

ट + म + ा + ट + र

टमाटर

पढ़िए :

आम	गाना	ताला	कमला	टमाटर
नाम	दाना	माला	गमला	बरसात
काम	नाना	पाला	हमला	पाठशाला

पढ़िए और सुनाइए :

मामा आए। बाजा लाए। दादा बाज़ार गए। लाल-लाल आम लाए। राजा का बाजा उधर रखा था। माला ताला लगा। अब पाठशाला जा। हमारा कहना मान। नाराज़ मत कर। अखबार पढ़कर समाचार बता।

अभ्यास

संकलित मूल्यांकन

पाठ बोध

1. नीचे दिए गए वर्णों को मिलाकर लिखिए :

(क) ग + ा + न + ा = ____________

(ख) न + ा + म = ____________

(ग) ग + ा + ज + र = ____________

(घ) ग + म + ल + ा = ____________

(ङ) ब + र + स + ा + त = ____________

2. गोले में दिए गए वर्णों की सहायता से उदाहरण के अनुसार शब्द बनाइए :

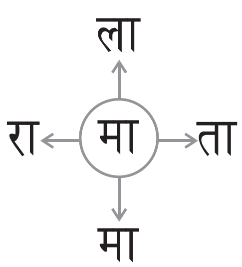

उदाहरण = माता ____________

____________ ____________

रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक अभ्यास

- नीचे दिए शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए तथा लिखिए :

काम ____________ दाना ____________ ताला ____________

क्रियात्मक कार्य

- सामने दिए गए चित्र में उचित रंग भरिए :

इ की मात्रा (इ = ि)

देखिए, समझिए और पढ़िए :

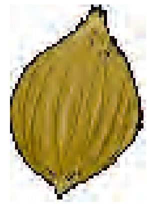

ि + ह + र + न	ि + च + ड़ + ि + या	ना + ि + र + य + ल
हिरन	चिड़िया	नारियल

पढ़िए :

दिन	तिल	कवि	सितार	तकिया	झिलमिल
गिन	दिल	रवि	गिटार	बछिया	रिमझिम
पिन	हिल	छवि	सियार	डलिया	शनिवार

पढ़िए और सुनाइए :

विभा, इधर आ। सितार बजा। बादल घिर आए। रिमझिम–रिमझिम बारिश आ गई। शनिवार का दिन था। नितिन किताब पढ़ रहा था। तब एक डाकिया आया। डाकिया साइकिल पर आया। वह निशि का पत्र लाया था।

शिक्षण-संकेत

- बच्चों को समझाएँ कि 'इ' की मात्रा (ि) व्यंजन वर्ण के बाईं ओर लगती है।
- बच्चों से 'इ' की मात्रा वाले शब्दों और वाक्यों का वाचन कराएँ।

ई की मात्रा (ई = ी)

देखिए, समझिए और पढ़िए :

त + ी + र
तीर

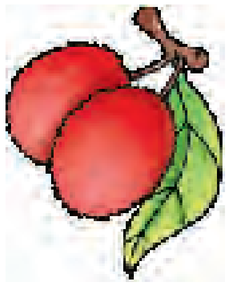

ल + ी + च + ी
लीची

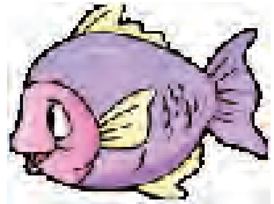

म + छ + ल + ी
मछली

पढ़िए :

कील	खीर	दही	नीली	पीतल	शरीर
खील	नीर	बही	पीली	चीतल	फकीर
चील	वीर	सही	ढीली	शीतल	लकड़ी

पढ़िए और सुनाइए :

दीपा की एक बगिया थी। उसका माली शीतल था। उसकी बगिया हरी-भरी रहती थी। एक दिन दीपा की बगिया पर उसकी नानी आई। नानी खीरा, ककड़ी व नाशपाती लाई।

शिक्षण-संकेत

- बच्चों को 'ई' की मात्रा (ी) समझाने के लिए उच्चारण पर विशेष ध्यान दीजिए।
- बच्चों को 'इ' और 'ई' की मात्रा में अंतर समझाएँ; जैसे—मिल-मील, दिया-दीया।
- बच्चों से 'ई' की मात्रा लगे शब्दों और वाक्यों का वाचन कराएँ।

अभ्यास

संकलित मूल्यांकन

पाठ बोध

1. चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए :

(क) विभा ----- बजा।

(ख) नितिन ----- पढ़ रहा था।

(ग) डाकिया ----- पर आया।

(घ) बगिया का ----- शीतल था।

(ङ) बगिया पर ----- आई।

(च) नानी ----- लाई।

2. सही शब्द के सामने ✓ लगाइए :

तील ☐	तिल ☐	तइल ☐
सितर ☐	सीतार ☐	सितार ☐
चितल ☐	चीतल ☐	चईतल ☐
फकीर ☐	फकिर ☐	फिकर ☐

3. सही उत्तर के सामने ✓ लगाइए :

(क) सितार किसने बजाया?	नितिन ने ☐	विभा को ☐
(ख) डाकिया किसका पत्र लाया था?	निशि ने ☐	नितिन का ☐
(ग) दीपा की बगिया कैसी थी?	हरी-हरी ☐	हरी-भरी ☐
(घ) बगिया पर कौन आई?	नानी ☐	दीपा ☐

4. जोड़कर शब्द लिखिए :

ि + न + श + ा ➤ ____________

ह + ा + थ + ी ➤ ____________

र + ि + व + व + ा + र ➤ ____________

क + क + ड़ + ी ➤ ____________

5. दिए गए चित्रों के नाम लिखिए :

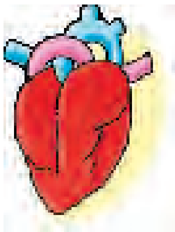

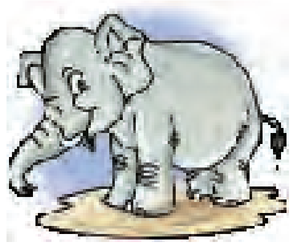
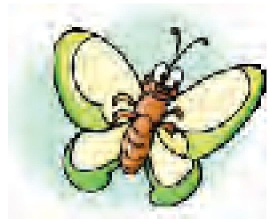

______ ______ ______ ______

रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक अभ्यास

1. शुद्ध उच्चारण कीजिए :

गिन छवि गिटार शिकार पतीली हठीली नाशपाती

2. पढ़िए और रंग भरिए :

दिखी-दिखी एक जल की रानी
जीवन जिसका ही था पानी।
पीली, नीली, लाल, हरी थी
नाम बताओ चमक रही थी।

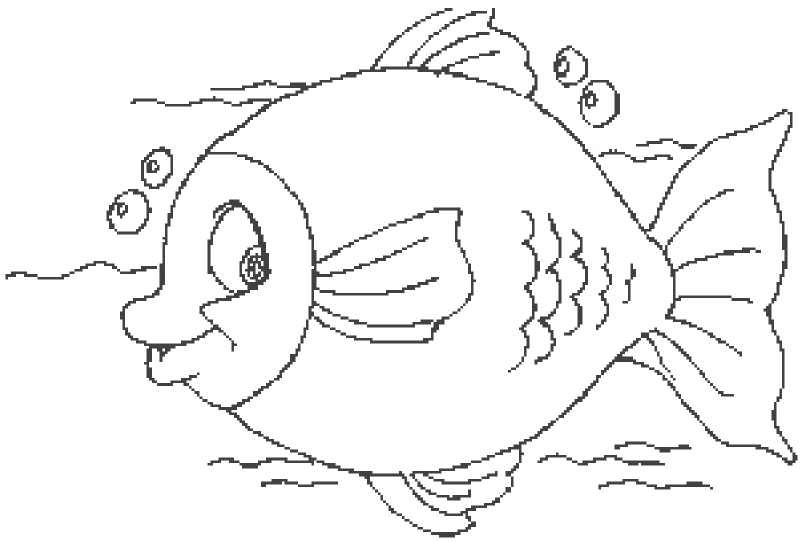

क्रियात्मक कार्य

- दिए गए पुष्पों की उस पंखुड़ी में रंग भरिए जिसके शब्द में 'इ' (ि) तथा ई (ी) दोनों की मात्राएँ लगी हों :

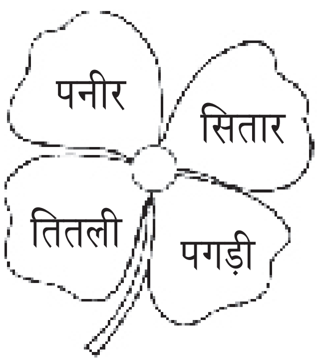

उ की मात्रा (उ = ु)

देखिए, समझिए और पढ़िए :

प + ु + ल
पुल

क + छ + ु + आ
कछुआ

ब + ु + ल + ब + ु + ल
बुलबुल

पढ़िए :

दुख	अनु	बुढ़िया	मछुआ	रुनझुन	बुलबुल
मुख	तनु	पुड़िया	कछुआ	गुमसुम	चुलबुल
रुख	मनु	दुखिया	बथुआ	फुटबॉल	चुनमुन

पढ़िए और सुनाइए :

सुमन सुबह उठी। वह फुलवारी गई। गुलाब चुन कर लाई। दादी खुश हुई। सुमन गुलाबजामुन खा। सुन-सुन, मुरली की मधुर धुन सुन। मुरली की धुन सुनकर सुमन खुश हुई। वाह! वाह! कितनी मधुर धुन सुनाई।

शिक्षण-संकेत

- बच्चों को समझाएँ कि 'उ' की मात्रा (ु) वर्ण के नीचे लगती है।
- बच्चों से 'उ' की मात्रा वाले शब्दों और वाक्यों का वाचन कराएँ।
- बच्चों को यह भी बताएँ कि 'र' वर्ण पर 'उ' की मात्रा नीचे न लगकर मध्य भाग में घुंडी के रूप में लगती है; जैसे—र + ु = रु
  ➤ रुपया, गुरु, रुनझुन आदि।

ऊ की मात्रा (ऊ = ू)

देखिए, समझिए और पढ़िए :

झ + ू + ला
झूला

भा + ल + ू
भालू

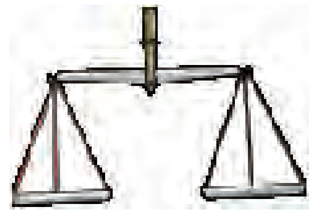

त + रा + ज + ू
तराजू

पढ़िए :

फूल	झूम	बहू	कबूल	पालतू	मजबूर
धूल	घूम	लहू	बबूल	फालतू	मजदूर
झूल	धूम	आलू	जरूर	खुशबू	खरबूजा

पढ़िए और सुनाइए :

गरमी का दिन था। खुशबू नीम पर झूला झूल रही थी। कुसुम जूता पहनकर धूल उड़ा रही थी। माता कुसुम–कुसुम कह बुला रही थी। कुसुम आ। खुशबू आ। जूता उतार। बूढ़ा माली आया। वह बड़ा तरबूज लाया। तरबूज बहुत मीठा था। तरबूज का रस पी।

शिक्षण-संकेत

- बच्चों को 'ऊ' की मात्रा (ू) समझाने के लिए विभिन्न व्यंजन वर्णों पर मात्रा लगाकर उच्चारण कराएँ।
- बच्चों को 'उ' (ु) और 'ऊ' (ू) की मात्रा में अंतर समझाएँ; जैसे—कुल-कूल, भुल-भूल, रुपया-रूपा।
- बच्चों को गरमी में मौसमी फल और सब्ज़ियाँ खाने और संतुलित आहार लेने के लिए कहें।